कुनो राष्ट्रीय उद्यान में चीते की मृत्यु

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क **में एक और नामीबियाई चीते की मौत** हो गई।

- **वर्ष 2022 में दक्षिण अफ्रीका के नामीबिया से लाए गए चीतों में से यह दसवाँ है** जिसकी मृत्यु हुई है।

मुख्य बिंदु:

- भारत में चीते लगभग 70 वर्षों से विलुप्त हैं। प्रोजेक्ट चीता देश में इस प्रजाति को फिर से लाने की एक पहल है।
- **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC)** के अनुसार, यह जंगली, बड़ी मांसाहारी प्रजाति का पहला अंतरमहाद्वीपीय पुन प्रवेश है।
- नामीबिया में **एक गैर-लाभकारी संगठन, चीता कंज़रवेशन फंड (CCF)** को भारत सरकार द्वारा भारत में चीतों को फिर से लाने के लिये एक कार्यक्रम में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया था।
- तत्कालीन पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने सितंबर 2010 में प्रोजेक्ट चीता का पहला अवलोकन साझा किया।
  - इसमें टास्क फोर्स के बारे में जानकारी के साथ-साथ **विश्व में चीतों की वर्तमान स्थिति, भारत में चीतों को फिर से लाने के लाभ और** जटिलताओं एवं उन क्षेत्रों को रेखांकित किया गया, जहाँ उन्हें फिर से लाया जा सकता है।
  - **जनवरी 2020 में, सर्वोच्च न्यायालय ने देश में चीतों को फिर से लाने** के पायलट कार्यक्रम को स्वीकृति दी दी।
  - जुलाई 2020 में, **भारत और नामीबिया गणराज्य ने एक समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किये**, जहाँ नामीबियाई सरकार कार्यक्रम के लिये आठ चीता को दान करने पर सहमत हुई।
- **चार से छह वर्ष की उम्र के बीच की पाँच मादा और तीन नर दक्षिणपूर्व अफ्रीकी चीतों को भारत लाया गया तथा मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क (KNP)** में संगरोध में रखा गया।
- **फरवरी 2023 में, परियोजना का विस्तार करने के लिये दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते** लाए गए। MoEFCC ने आगे "अगले आठ से 10 वर्षों के लिये प्रत्येक वर्ष 12 और चीतों को स्थानांतरित करने" की योजना बनाई है।

चीता कंज़रवेशन फण्ड(CCF)

- CCF नामीबिया में एक अनुसंधान और लॉबी संस्थान है जो **विश्व में सबसे बड़ी एवं स्वस्थ चीता आबादी के अध्ययन तथा भरण-पोषण** से संबंधित है।
- इसका अनुसंधान और शिक्षा केंद्र, **ओटजीवारोंगो के पूर्व में स्थित है।**
- **CCF की स्थापना वर्ष 1990** में संरक्षण जीवविज्ञानी लॉरी मार्कर द्वारा की गई थी, जिन्होंने नामीबिया में अपने प्रयासों के लिये 2010 टायलर पुरस्कार जीता था।

कुनो राष्ट्रीय उद्यान

- **कुनो राष्ट्रीय उद्यान जो मध्य प्रदेश के श्योपुर ज़िले** में स्थित है, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से स्थानांतरित कई चीतों का आवास स्थान है।
- **भारत में प्रोजेक्ट चीता औपचारिक रूप से 17 सितंबर, 2022** को चीतों की आबादी को बहाल करने के लिये शुरू हुआ, जिन्हें वर्ष 1952 में देश में विलुप्त घोषित कर दिया गया था।

चीता (Cheetah)

सामान्य नाम: **एशियाई चीता**

वैज्ञानिक नाम: ***एसिनोनिक्स जुबेटस (Acinonyx jubatus)***

- *एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस* (एशियाई चीता)
- *एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस* (अफ्रीकी चीता)

विशेषताएँ:

- विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:

- **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की **त्वचा; एशियाई चीते से मोटी**
  - ***चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता***
  - *पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं*
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:* सुभेद्य (Vulnerable)**
- **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
  - ***हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल***
  - ***केवल ईरान में पाए जाते हैं;*** *देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल **12** चीते शेष हैं।*
- **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को **आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त** घोषित किया गया
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:* घोर संकटग्रस्त (Critically Endangered)**

एशियाई चीता

अफ्रीकी चीता

भारत में चीतों का पुनर्वास:

- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC** द्वारा **"भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना"** जारी की गई थी। (जनवरी **2022**)
  - *इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष **2009** में प्रस्तावित की गई थी।*
- सितंबर **2022** में **नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।**
  - *इन आठ चीतों को **मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान** में स्थानांतरित किया जाएगा।*
- नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण **विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।**

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cheetah-dies-at-kuno-national-park